Bihar Board Class 9 Disaster Management Solutions Chapter 10 आपदा प्रबन्धन : एक परिचय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1.
आपदा प्रबंधन के प्रमुख घटक हैं
(क) आपदा के पूर्व वैयक्तिक स्तर पर तैयारी करना ।
(ख) आपदा के पूर्व सामुदायिक स्तर पर तैयारी करना ।
(ग) रोकथाम के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना ।
(घ) आपदा के संबंध में जानकारी रखना।
उत्तर-
(ख) आपदा के पूर्व सामुदायिक स्तर पर तैयारी करना ।

प्रश्न 2.
मानवजनित आपदा के प्रभाव को कम करने के कौन-से उपाय हैं ?
(क) भूमि उपयोग की जानकारी रखना।
(ख) आपदारोधी भवनों का निर्माण करना ।
(ग) सामुदायिक जागरूकता पर ध्यान देना।
(घ) जोखिम क्षेत्रों में बसाव को नहीं बढ़ाना।
उत्तर-
(ग) सामुदायिक जागरूकता पर ध्यान देना।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
आपदा प्रबंधन क्या है ?
उत्तर-
आपदाओं के कारण होनेवाली क्षति को कम करने हेतु की जानेवाली तैयारी को आपदा प्रबंधन कहते हैं।

प्रश्न 2.
आपदा को कम करने के लिए कौन-कौन से उपाय करना चाहिए?
उत्तर-
आपदा को कम करने के लिए म्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं

- जोखिम क्षेत्रों में बसाव को रोकना ।
- भूमि उपयोग की योजना तैयार करना ।
- आपदा-रोधी भवनों का निर्माण करना ।
- आपदा घटने से पहले जोखिम को कम करने के लिए तरीके बतलाना।
- सामुदायिक जगरूकता और शिक्षा का प्रचार ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 3.
तुम आपदा प्रभावित क्षेत्र में लोगों की किस प्रकार मदद करोगे?
उत्तर-
हम आपदा प्रभावित क्षेत्र में लोगों को आनेवाले आपदा के विषय में समझा सकते है, उसे घबराने से मना करना चाहिए। सभी लोग को मिलजुल कर उससे बचाव का प्रयास करना चाहिए । हम अपने मित्रों एवं शिक्षकों की सहायता से इस काम में लग जाना चाहिए। अगर भवन की आवश्यकता हो तो विद्यालय भवन को राहत कार्य हेतु लिया जाना चाहिए । गाँव से सहयोग लेकर भोजन एवं चिकित्सा की व्यवस्था करनी चाहिए।

प्रश्न 4.
विद्यालय द्वारा किस प्रकार आपदा प्रभावित लोगों को मदद पहुँचायी
जा सकती है?
उत्तर-
विद्यालय द्वारा आपदा प्रभावित लोगों को निम्न प्रकार से मदद पहुँचायी जा सकती है

- प्रभावित लोगों को ढूढने र आप में फंसे लोगों के बचाव के लिए छात्रों का दल भेजना चाहिए ।
- खोज एवं बचाव दल की तैयारी करना ।
- आवश्यक संसाधन की व्यवस्था करना ।
- आपदा प्रभावित परिवार को सांत्वना देना ।
- अनिवार्य सेवाओं-सड़क तथा संचार सुविधाओं को पुनः आरम्भ करना।
- अस्थाई आवास के रूप में विद्यालय भवन को काम में लाना ।
- सामान्य जीवन स्तर पर पुनर्वास स्थापित करना ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
आपदा प्रबंधन में ग्राम पंचायत की भूमिका का वर्णन करें।
उत्तर-
आपदा प्रबंधन में ग्राम पंचायत की भूमिका निम्नलिखित है

- पूर्वानुमान के आधार पर लोगों को सूचना देना । ग्राम पंचायत से प्राप्त सूचनाओं को तत्काल लोगों तक पहुँचाना।
- राहत शिविर का चयन और प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य करना- जिलास्तार पर सूचना भेजना । अगर आगजनी है तो दमकल आदि को भेजना।
- राहत कार्य-प्रभावित लोगों को शिविरों में रखना एवं उनके भोजन की व्यवस्था करना । पेयजल तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करना।
- प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करना।
- सभी को सुरक्षा प्रदान करना-छोटे बच्चों बूढों पर विशेष ध्यान
- स्वच्छता का ख्याल रखना-तकि कोई महामारी न फैल जाय।

प्रश्न 2.
आपदा प्रबंधन में राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करें।
उत्तर-
राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन के कार्य किए जा रहे हैं। वे इस प्रकार हैं

https://www.evidyarthi.in/

- आपदा प्रबंधन के लिए प्रतिवर्ष बजट में आकस्मिक निधि में प्रबंधन किया गया है।
- इसके .हेतु प्रधान मंत्री कोष का भी ठन किया गया है।
- आपदाओं की बारबारता के क्षेत्रका मानचित्रीकर किया जा रहा है जिससे उसकी क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके।
- आपदा प्रबंधन में लगे हुए लोगों के लिए प्रशिक्षण का कार्य भी आवश्यक है । अत: उसके लिए अनेक शिक्षण केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं । विश्वविद्यालयों में आपदा प्रबंधन को पढ़ाई भी की जा रही देना।
- ग्रामीण स्तर पर पंचायतों के द्वारा आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा इससे पूर्णतः निपटने के लिए भी बात बताई जा रही है।
- आतंकवाद और साम्प्रदायिक दंगों को रोकने के लिए आतंकवाद विरोधी दस्ते का भी गठन किया गया है।
- आपदा प्रबंधन में स्वयंसेवी संस्थाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण
- आपदा प्रबंधन का कार्य ग्रामसभा की साझेदारी के बिना अपूर्ण है। अतः हर आपदा प्रबंधन में ग्राम सभा की सक्रियता से आम लोगों की सक्रियता बड जाती है।

इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन पर किये गए कार्य सराहनीय हैं।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/